SAMPLE QUESTION PAPER -07
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

पश्चिमी दृष्टिकोण वाले लोग सह-शिक्षा के प्रबल समर्थक हैं। पश्चिमी शिक्षाशास्त्रियों का कहना है, 'ठीक है, हम मानते हैं कि छात्र-छात्राओं में यौन आकर्षण होता है, किन्तु वह कोई बुरी बात नहीं। वह तो एक महान शक्ति है, जिसका सदुपयोग कर छात्र-छात्राओं में स्पर्धा उत्पन्न करके शिक्षा के श्रेष्ठतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विशेषकर इसलिए कि विद्यार्थी जीवन में स्पर्धा भावना उग्र होती है। इसी का उपयोग करके हम परीक्षा प्रतियोगिता, भाषा-प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं। निस्संदेह प्रतियोगिता के जोश में विद्यार्थी जितनी शानदार सफलताएँ प्राप्त करते हैं, साधारण स्थिति में उससे बहुत कम ही प्राप्त करते हैं। कई बार लड़के लड़कियों के लिए तथा लड़कियाँ लड़कों के लिए अधिक सहायक व लाभकारी सिद्ध होती हैं। इस दृष्टि से भी सहशिक्षा लाभकारी है। लड़के और लड़कियों के हृदय में कभी कभी नकारात्मक भावनाएँ भी होती हैं, जो स्वस्थ समाज के लिए हानिकारक हो सकती है। सहशिक्षा से इससे बचा जा सकता है।

1. सहशिक्षा का समर्थन कौन करते हैं? (1)
   (क) पश्चिमी दृष्टिकोण वाले लोग
   (ख) भारतीय लोग
   (ग) छात्र और छात्राएँ
   (घ) अभिभावक
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
   कथन (A): पश्चिमी दृष्टिकोण वाले लोग सह-शिक्षा के प्रबल समर्थक हैं, क्योंकि उनका मानना है कि छात्र-छात्राओं में यौन आकर्षण का सकारात्मक उपयोग शिक्षा में स्पर्धा उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
   कारण (R): सह-शिक्षा से लड़कों और लड़कियों के बीच नकारात्मक भावनाओं को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे समाज में स्वस्थ वातावरण स्थापित होता है।
   विकल्प:
   (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
   (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. सहशिक्षा का संधि विच्छेद कीजिए। (1)

(क) सम + शिक्षा

(ख) स + शिक्षा

(ग) सहायक + शिक्षा

(घ) सह + शिक्षा

4. शिक्षा के बेहतर परिणाम कैसे प्राप्त किये जा सकते है? (2)

5. विद्यार्थी सफलताएँ कब प्राप्त करते हैं? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

वैदिक युग भारत का प्राय: सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यही कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है। वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते; किंतु उनका समय हमें स्वर्णकाल के समान अवश्य दिखाई देता है। लेकिन जब बौद्ध युग का आरंभ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिक आदोलन के समान था। ब्राह्मणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, बुद्ध जाति-प्रथा के विरोधी थे और वे मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे।
नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उसकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं। बुद्ध की ये सारी बातें भारत को याद रही हैं और बुद्ध के समय से इस देश में ऐसे लोग उत्पन्न होते रहे हैं, जो जाति-प्रथा के विरोधी थे, जो मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम समझते थे। किंतु बुद्ध में आधुनिकता से बेमेल बात यह थी कि वे निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे।

1. वैदिक युग स्वर्णकाल के समान क्यों प्रतीत होता है? **(1)**

(क) वैदिक युग भारत का स्वाभाविक काल था।

(ख) वैदिक समाज की पोल नहीं खुली थी।

(ग) वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे।

(घ) वैदिक युग के बारे में कम लोगों को पता था।

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): बौद्ध युग ने वैदिक समाज की आलोचना की और बुद्ध ने जाति-प्रथा के विरोध में विद्रोह का प्रचार किया।

कारण (R): बुद्ध ने मनुष्य को जन्मना नहीं, बल्कि कर्मणा श्रेष्ठ या अधम माना, और महिलाओं को भिक्षुणी होने का अधिकार भी दिया।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. जाति-प्रथा के विषय में बुद्ध के विचारों को स्पष्ट कीजिए। **(1)**

(क) बुद्ध जाति-प्रथा के उपासक थे।

(ख) बुद्ध जाति-प्रथा से बंधे थे।

(ग) बुद्ध जाति-प्रथा के समर्थक थे।

(घ) बुद्ध जाति-प्रथा के विरुद्ध थे।

4. 'संन्यास' का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि इससे समाज को क्या हानि पहुँचती है? **(2)**

5. बुद्ध पर क्या आरोप लगता है और उनकी कौन-सी बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती? **(2)**

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. बाहर से आए हुए यात्रियों में कुछ शाकाहारी हैं। इस वाक्य में **सर्वनाम पदबंध** क्या है।

ii. **उस छत के कोने में बैठा हुआ** व्यक्ति पागल है। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

iii. भारत की राजधानी दिल्ली में एक करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। उक्त वाक्य में **संज्ञा पदबंध** छाँटिये।

iv. बातें करने वाले बच्चों में से कुछ पकड़े गए। वाक्य में **सर्वनाम पदबंध** को पहचानिए।

v. **बालक रोता हुआ शनै-शनै** माँ के पास पहुँचा। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

i. जो वालेंटियर वहाँ गए थे वे अपने स्थान से लाठियाँ पड़ने पर भी हटते नहीं थे। (संयुक्त वाक्य में)

ii. सुभाष बाबू को पकड़ा और गाड़ी में लालबाज़ार लॉकअप में भेज दिया। (मिश्र वाक्य में)

iii. पुलिस ने स्त्रियों को पकड़ा और लालबाज़ार भेज दिया। (सरल वाक्य में)

iv. कहा जाना चाहिए कि यह सभा एक ओपन चैलेंज थी। (संयुक्त वाक्य में)

v. पकड़े गए आदमियों की संख्या का पता नहीं चला। (मिश्र वाक्य में)

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. क्या समास का प्रयोग साहित्यिक भाषा को प्रभावशाली बनाता है? कैसे? **[1]**

ii. 'वियोग समास' में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iii. 'सूर्यमाला' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

iv. 'कर्मधारय समास' को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए। **[1]**

v. 'तत्पुरुष समास' के भेदों को उदाहरण सहित समझाइए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**
छुट्टी की घंटी बजते ही छात्रों ने _____ लिया। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**
आई०ए०एस० बनने के लिए उदिता ने _____ दिया। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. 'आग बबूला होना' और 'खून खौलना' में क्या अंतर है? **[1]**

iv. 'आटे दाल का भाव पता चलना' का वाक्य लिखिए। **[1]**

v. "बातों की गहराई में जाओ, तभी सच्चाई का पता चलेगा।" इस वाक्य से मुहावरे को पहचानकर प्रयोग कीजिए। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता। जवाब ही क्या था। अपराध तो मेंने किया, लताड़ कौन सहे? भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति मैं अपने में न पाता था और उस निराशा में जरा देर के लिए मैं सोचने लगता- 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी जिंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंजूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था, लेकिन घंटे-दो-घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा।

चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता। बिना पहले से नक्शा बनाए कोई स्कीम तैयार किए काम कैसे शुरू करूँ। टाइम-टेबिल में खेलकूद की मद बिलकुल उड़ जाती।

i. **मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगा।** कथन में **मैं** शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) इनमें से कोई नहीं　　ख) स्वयं लेखक के लिए

ग) लेखक के साथी के लिए　　घ) भाई साहब के लिए

ii. भाई साहब के उपदेश सुनकर लेखक पर तत्काल क्या प्रभाव पड़ता था?

क) वह आशा से भर जाता था　　ख) वह उनकी बातों को अनसुना कर देता था

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) वह खूब पढ़ाई करता था

घ) उसकी हिम्मत टूट जाती थी

iii. लेखक द्वारा आँसू बहाने का क्या कारण था?

क) भाई की डाँट सुनना

ख) भाई द्वारा घर वापस भेजना

ग) भाई का उपदेश देना

घ) कक्षा में अनुत्तीर्ण होना

iv. भाई साहब द्वारा हर समय छोटे भाई को किस प्रकार के उपदेश दिए जाते थे?

क) पढ़ाई करने के

ख) समय व्यर्थ न करने के

ग) खेलकूद न करने के

घ) सभी विकल्प सही हैं

v. निराशा के बादल हटने पर छोटे भाई द्वारा कौन-सा निश्चय किया गया था?

क) आगे से खूब मन लगाकर पढ़ाई करने का

ख) अपना मूर्ख बना रहना मंजूर कर लेने का

ग) अपने बूते से बाहर का काम नहीं करने का

घ) अपने दादा के पास चले जाने का

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **डायरी का पत्ना** अध्याय में जिस दिन का वर्णन किया गया है, उस दिन की क्या विशेषता थी? इसका आयोजन किस शहर में किया जा रहा था? **[2]**

ii. **गिन्नी का सोना** पाठ में वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी क़ीमत बढ़ाते थे। - यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों? इसका तात्पर्य समझाइए। **[2]**

iii. लेफ्टिनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है? कारतूस पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. **तीसरी कसम** फ़िल्म में ऐसा क्या था कि लोगों के लिए आज भी यह एक यादगार फ़िल्म है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

i. कवि ने किसकी मृत्यु को सुमृत्यु माना है?

क) स्वार्थी मनुष्य की

ख) अमीर मनुष्य की

ग) शिक्षित मनुष्य की

घ) परोपकारी मनुष्य की

ii. कवि के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या होती है?

क) देश के लिए जीना

ख) दूसरों के लिए जीना

ग) केवल अपने लिए जीना

घ) इनमें से कोई नहीं

iii. **मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए** पंक्ति का क्या आशय है?

क) जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।

ख) जो पशुओं की भाँति जीता है, वह कभी नहीं मरता।

ग) जो अपने लिए जीता है, वह कभी नहीं मरता।

घ) जिसकी इच्छाएँ कभी पूरी नहीं होतीं, वह कभी नहीं मरता।

iv. अमर कौन हो जाता है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) तपस्या करने वाला　　ख) राज करने वाला

ग) परोपकार करने वाला　　घ) पशु के समान जीवन जीने वाला

v. हमारा मरना और जीना कब व्यर्थ है ?

क) निर्धन होने पर　　ख) धनी होने पर

ग) सुमृत्यु होने पर　　घ) सुमृत्यु न होने पर

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. मीरा **गिरिधर** के प्रति अपने प्रेम को किस प्रकार प्रकट करती हैं? **[2]**

ii. **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता में कवि को धरती पर आकाश का टूट पड़ना क्यों प्रतीत होता है? **[2]**

iii. **कर चले हम फ़िदा** कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

iv. क्या **आत्मत्राण** कविता अन्य प्रार्थना गीतों से अलग है? **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **हरिहर काका** कहानी में आपने पढ़ा कि हरिहर काका का, महंत और उसके साथियों ने अपहरण कर लिया। कल्पना कीजिए कि आप एक पत्रकार हैं। आपको हरिहर काका के, महंत की गिरफ़्त में होने का पता लगता है। आप किन बातों का खुलासा करेंगे और दूसरे लोगों पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा? **[3]**

ii. **सपनों के-से दिन** पाठ में आपको कौन-सा अध्यापक प्रिय लगता है और क्यों? **[3]**

iii. **टोपी शुक्ला** पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए कि टोपी और इफ़्फ़ुन के संबंध धर्म से नहीं, मानवीय संबंधों से निर्धारित थे। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **आज का युवा वर्ग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- देश का भविष्य
- देश के प्रति ज़िम्मेदार
- लक्ष्य एक चुनौती

ii. **कंधे से कंधा मिलाकर चलती नारी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत-बिंदु

- समान भागीदारी
- कमतर नहीं
- जगत जननी

iii. **वन एवं वन्य संपदा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- वन एवं वन्य संपदा क्या है?
- इनका महत्त्व
- वन एवं वन संपदा पर खतरा

13. आपके शहर में सड़कों को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे जा रहे हैं। इसकी जानकारी देते हुए पर्यावरण मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आप सलिल/रजनी हैं। कुछ समय से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं। उनकी रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए।

14. आपके विद्यालय में जल प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। छात्र-कल्याण संगठन के अध्यक्ष होने के नाते कक्षा छठी से बारहवीं तक सभी छात्रों को इसकी विस्तृत जानकारी देने हेतु एक सूचना-पत्र लगभग **60** शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। पूरे विद्यालय की सहभागिता के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

15. शैंपू बनाने वाली कंपनी के मालिक ने विज्ञापन बनाने को दिया है। आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

कोई कंपनी **लेखनी** नाम का नया पेन बाज़ार में लाना चाहती है। उसके लिए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. आप रूपाली/मयंक हैं। ई-मेल द्वारा बैंक प्रबंधक को अपनी पास-बुक खोने की सूचना लगभग 80 शब्दों में दीजिए। **[5]**

अथवा

देरी होने के कारण मैं तेज़-तेज़ चलकर विद्यालय समय पर पहुँचने का प्रयास कर रही थी कि अचानक ... विषय पर एक लघुकथा लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (क) पश्चिमी विचारधारा के लोग सह-शिक्षा का समर्थन करते हैं।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) सह + शिक्षा
   4. छात्र-छात्राओं में स्पर्धा उत्पन्न करके शिक्षा के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।
   5. प्रतियोगिता के जोश में विद्यार्थी शानदार सफलताएँ प्राप्त करते हैं।
2. 1. (क) वैदिक युग भारत का स्वाभाविक काल था। हमें प्राचीन काल की हर चीज अच्छी लगती है। इस कारण वैदिक युग स्वर्णकाल के समान प्रतीत होता है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) बुद्ध जाति-प्रथा के विरुद्ध थे। उन्होंने ब्राह्मणों की श्रेष्ठता का विरोध किया। मनुष्य को वे कर्म के अनुसार श्रेष्ठ या अधम मानते थे। उन्होंने नारी को मोक्ष की अधिकारिणी माना।
   4. 'संन्यास' शब्द 'सम् + न्यास' शब्द से मिलकर बना है। 'सम्' यानी अच्छी तरह से' और 'न्यास' यानी 'त्याग करना'। अर्थात् अच्छी तरह से त्याग करने को ही संन्यास कहा जाता है। संन्यास की संस्था से देश का युवा वर्ग उत्पादक कार्य में भाग नहीं लेता। इससे समाज की व्यवस्था खराब हो जाती है।
   5. बुद्ध पर निवृत्तिवादी होने का आरोप लगता है। उनकी गृहस्थ धर्म को भिक्षु धर्म से निकृष्ट मानने वाली बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. बाहर से आए हुए यात्रियों में कुछ
   ii. विशेषण पदबंध
   iii. भारत की राजधानी दिल्ली
   iv. बातें करने वाले बच्चों में से कुछ
   v. क्रिया-विशेषण पदबंध
4. i. वालेंटियर वहाँ गए थे और लाठियाँ पड़ने पर भी वे अपने स्थान से हटते नहीं थे।
   ii. जब सुभाष बाबू को पकड़ा गया तब गाड़ी में लालबाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया। / जैसे ही सुभाष बाबू को पकड़ा गया वैसे ही गाड़ी में लालबाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया।
   iii. पुलिस ने स्त्रियों को पकड़कर लालबाज़ार भेज दिया।
   iv. यह सभा एक ओपन चैलेंज थी और यह कहा जाना चाहिए।
   v. जिन आदमियों को पकड़ा गया, उनकी संख्या का पता नहीं चला। / जो आदमी पकड़े गए, उनकी संख्या का पता नहीं चला।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) हाँ, समास भाषा को संक्षिप्त और प्रभावशाली बनाता है। यह शब्दों की अर्थग्रहण क्षमता बढ़ाकर वाक्य को गहन और आकर्षक बनाता है। जैसे, "चिरंजीवी" (जो सदा जीवित रहे) शब्द का उपयोग।
   (ii) वियोग समास में दो शब्दों का संयोजन होता है, जहाँ दोनों पद एक दूसरे से अलग होते हैं और उनके बीच का संबंध स्पष्ट नहीं होता। उदाहरण - "जन्ममरण" (जन्म + मरण) में "जन्म" और "मरण" दोनों शब्दों के बीच एक वियोग समास का संबंध है, जहां दोनों अलग-अलग स्थितियों को दर्शाते हैं।
   (iii)
   - विग्रह: सूर्य + माला
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "सूर्य" (सूरज) और "माला" (हार) मिलकर "सूर्यमाला" (सूर्य की माला) का अर्थ बनाते हैं।

   (iv)
   - परिभाषा: कर्मधारय समास में दो पद होते हैं, जिनमें एक पद गुण या विशेषता को व्यक्त करता है और दूसरा संज्ञा या क्रिया को।
   - उदाहरण: "सत्यवादी" (सत्य + वादी) - "सत्य" का अर्थ है अच्छा, और "वादी" का अर्थ है बोलने वाला। दोनों मिलकर "सत्य बोलने वाला" का अर्थ बनाते हैं।

   (v)
   - **भेद:**
     - निष्ठा भेद: जिसमें एक शब्द विशेषण हो।
     - साधक भेद: जिसमें एक शब्द क्रिया हो।
   - **उदाहरण:**
     - "द्वारपाल" (द्वार + पाल) - द्वार की रक्षा करने वाला।
     - "ज्ञानवर्धन" (ज्ञान + वर्धन) - ज्ञान को बढ़ाने वाला।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) आसमान सिर पर उठाना
   (ii) आकाश पाताल एक करना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii)आग बबूला होना: अत्यधिक क्रोधित होना।
खून खौलना: गुस्से से भर जाना।
(iv)जब वह अकेला रहने गया, तब उसे आटे दाल का भाव पता चला।
(v) मुहावरा: गहराई में जाना।
वाक्य: किसी भी विषय को समझने के लिए उसकी गहराई में जाना आवश्यक है।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता। जवाब ही क्या था। अपराध तो मैंने किया, लताड़ कौन सहे? भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति मैं अपने में न पाता था और उस निराशा में जरा देर के लिए मैं सोचने लगता- 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी जिंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंजूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था, लेकिन घंटे-दो-घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा।
चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता। बिना पहले से नक्शा बनाए कोई स्कीम तैयार किए काम कैसे शुरू करूँ। टाइम-टेबिल में खेलकूद की मद बिलकुल उड़ जाती।

(i) **(ख)** स्वयं लेखक के लिए
व्याख्या:
स्वयं लेखक के लिए

(ii) **(ख)** वह उनकी बातों को अनसुना कर देता था
व्याख्या:
वह उनकी बातों को अनसुना कर देता था

(iii) **(क)** भाई की डाँट सुनना
व्याख्या:
भाई की डाँट सुनना

(iv) **(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(v) **(क)** आगे से खूब मन लगाकर पढ़ाई करने का
व्याख्या:
आगे से खूब मन लगाकर पढ़ाई करने का

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) डायरी का पत्ना अध्याय में 26 जनवरी 1931 का वर्णन किया गया है। इस दिन की ये विशेषताएँ थी कि उस दिन पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की गई थी। इस दिन देशभक्तों ने लाला लाजपत राय को श्रद्धांजलि देने के लिए उनकी ।स्मृति में शहीद स्मारक पर झंडा फहराया था। यह आयोजन राष्टीय भावना और सांप्रदायिक एकता का प्रतीक था। यह आयोजन पटना शहर में किया गया था।

(ii) "वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी क़ीमत बढ़ाते थे" यह कथन गांधीजी के लिए कहा गया है। यहाँ सोना आदर्श का और ताँबा व्यावहारिकता का प्रतीक है। गांधीजी ने अपने आदर्शवादी सिद्धांतों को व्यावहारिक जीवन में उतारने का प्रयास किया। उन्होंने आदर्शों को व्यावहारिकता के साथ जोड़कर उसे और अधिक मूल्यवान बनाया। गांधीजी ने ताँबे में सोना मिलाकर, यानी व्यावहारिक जीवन में आदर्शों का समावेश कर, उसे जीवन के हर पहलू में महत्त्वपूर्ण बना दिया।

(iii)लेफ्टिनेंट को टीपू सुल्तान और वजीर अली के किस्से सुनने के बाद ऐसा लगा कि कंपनी के खिलाफ पूरे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ रही है क्योंकि कंपनी की फौज भी इन विद्रोहियों से निपटना में कामयाब नहीं हो पा रही थी।

(iv)'तीसरी कसम' फ़िल्म निम्नलिखित कारणों से लोगों के लिए आज भी यह एक यादगार फ़िल्म है-

i. **शानदार कहानी:** यह फिल्म फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कहानी 'मारे गए गुलफाम' पर आधारित है, जो एक गरीब गाड़ी वाले और एक तवायफ की दुखद प्रेम कहानी है।
ii. **दमदार अभिनय:** राज कपूर और वहीदा रहमान ने फिल्म में शानदार अभिनय किया है।
iii. **सुंदर संगीत:** फिल्म के गीत और संगीत शंकर-जयकिशन द्वारा रचित हैं और आज भी लोकप्रिय हैं।
iv. **यथार्थवादी चित्रण:** फिल्म भारतीय समाज की वास्तविकता को दर्शाती है, जिसमें गरीबी, भेदभाव और सामाजिक बुराइयां शामिल हैं।
v. **संदेश:** फिल्म हमें जीवन के मूल्यों और मानवीयता के महत्व के बारे में सिखाती है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(घ)** परोपकारी मनुष्य की
व्याख्या:
परोपकारी मनुष्य की

(ii) **(ग)** केवल अपने लिए जीना
व्याख्या:
केवल अपने लिए जीना

(iii) **(क)** जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।
व्याख्या:
जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।

(iv) **(ग)** परोपकार करने वाला
व्याख्या:
परोपकार करने वाला

(v) **(घ)** सुमृत्यु न होने पर
व्याख्या:
सुमृत्यु न होने पर

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) मीरा गिरिधर के प्रति अपने प्रेम को इस प्रकार व्यक्त करती हैं कि वे कहती हैं कि हे! श्री कृष्ण मुझे अपना दासी बना कर रखो अर्थात मीरा किसी भी तरह श्री कृष्ण के नजदीक रहना चाहती है। मीरा श्री कृष्ण के दर्शन का एक भी मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहती, वह बाग़-बगीचे लगाने को भी तैयार है, गली-गली में श्री कृष्ण की लीलाओं का बखान भी करना चाहती है, ऊँचे-ऊँचे महल भी बनाना चाहती है, ताकि दर्शन का एक भी मौका न चुके।

(ii) ऐसा कविता में इसलिए कहा गया है क्योंकि जब आकाश में चारों तरफ असंख्य तथा घने बादल छा जाते हैं तो वातावरण धुंधमय हो जाता है उस समय कुछ भी दिखाई नहीं देता, केवल झरनों की झर-झर ही सुनाई देती है, तब ऐसा प्रतीत होता है कि मानों धरती पर आकाश टूट पड़ा हो।

(iii)'कर चले हम फ़िदा' गीत उर्दू के प्रसिद्ध शायर कैफ़ी आज़मी की रचना है। यह गीत वर्ष 1962 में 'भारत-चीन युद्ध' की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनने वाली फिल्म 'हकीकत' के लिए लिखा गया था। यह फिल्म हिमालय क्षेत्र में भारत-चीन युद्ध का चित्रांकन है | इस गीत के माध्यम से देशवासियों में अपनी मातृभूमि के प्रति बलिदान की भावना तथा आज़ादी की रक्षा के लिए प्राणों की परवाह न करने का भाव, सैनिकों के संबोधन के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। उनके अनुसार ज़िंदा रहने के अवसर तो बहुत बार आते हैं , पर देश के लिए अपनी कुर्बानी देने का मौका बहुत कम मिलता है | यह गीत वर्तमान समय में भी देशभक्ति के प्रति उत्साह पैदा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(iv)आत्मत्राण कविता सामान्यतः अन्य प्रार्थना गीतों से अलग है। प्रार्थना गीतों में वस्तुतः ईश्वर से अपने कष्टों और दुखों को हरने की बात होती है। उन गीतों में सबकुछ ईश्वर के भरोसे छोड़ दिया जाता है।
लेकिन प्रस्तुत कविता इस परिपाटी से बिल्कुल अलग है। इसमें कवि मानता है ईश्वर सब कुछ संभव करने में सक्षम है, फिर भी वो चाहता है कि ईश्वर उसकी कठिनाइयों को समाप्त न करे। इसके बदले वो ईश्वर से अपने लिए कामना करता है कि वे उसे विपत्तियों से लड़ने का सामर्थ्य दें।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) एक पत्रकार के रूप में हरिहर काका के बारे में अपने समाचार पत्र को सूचित किया जाएगा कि धन की लालसा में उसके सगे संबंधी उसे परेशान कर रहे हैं तथा उनका अपहरण कर लिया गया है। अपने समाचार पत्र में समाज की शीर्ष संस्था के महंत के चरित्र के बारे में विस्तार से विवरण देना चाहूँगा। धन केंद्रित मानसिकता से समाज को बचाने के लिए लोगों को अपनत्व व सौहार्द्र से भरे सामाजिक जीवन जीने के लाभ से परिचित करवाना होगा। इसके लिए नुक्कड़-नाटक के आयोजन तथा टी.वी. आदि पर घर-घर की कलह आदि को दिखाने के स्थान पर प्रेम, सौहार्द्र व भाईचारे की भावना से ओतप्रोत धारावाहिकों का प्रसारण किया जाना चाहिए। जिससे लोग जागरूक हों और अपनत्व के महत्व को समझते हुए अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह कर सकें।

(ii) 'सपनों के-से दिन' पाठ में वर्णित हेडमास्टर शर्मा जी बच्चों से प्यार करते थे। वे बच्चों को प्रेम, अपनत्व, पुरस्कार आदि के माध्यम से बच्चों को अनुशासित रखते हुए उन्हें पढ़ाने के पक्षधर थे। वे गलती करने वाले छात्र की भी पिटाई करने के पक्षधर न थे।

(iii)इफ्फन और टोपी शुक्ला दो भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले हैं। इफ्फन मुसलमान है तो टोपी शुक्ला पक्का हिंदू है। धर्म, भाषा, पारिवारिक वातावरण, रहन-सहन, खान-पान आदि पूर्णतः भिन्न होते हुए भी दोनों गहरे मित्र थे। टोपी इफ्फन को बहुत चाहता है। दोनों का जुड़ाव मन से था, आंतरिक था, बाह्य नहीं। टोपी इफ्फन के घर के खाने को छूता भी नहीं था फिर भी उनकी मित्रता में कोई अंतर नहीं आया। उसके पिता का तबादला होने पर वह दुःखी होता है। वह इफ्फन की दादी को प्यार करता है तथा दादी भी उसे बहुत प्यार करती है। दोनों के सम्बन्ध मानवीय धरातल पर हैं। इनके बीच में धर्म की दीवार नहीं है। घर में 'अम्मी' शब्द कहने पर टोपी ने मार खाई परंतु इफ़्फ़न के घर न जाने के लिए नहीं माना। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की प्रमुख विशेषता है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **आज का युवा वर्ग**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आज का युवा वर्ग देश के भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह वर्ग न केवल देश का प्रतिज्ञान है, बल्कि उसकी ताक़त और संविदान भी है। युवा वर्ग के बारे में कुछ महत्वपूर्ण संकेत बिंदुओं के माध्यम से चर्चा करते हैं:

युवा वर्ग देश के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्हें देश की समृद्धि, सुरक्षा, और सामाजिक सुधार के लिए जिम्मेदारी मिलती है। वे नए और स्वर्णिम भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए अपनी ऊर्जा और उत्साह का सही तरीके से उपयोग करते हैं।

युवा वर्ग देश के प्रति सामाजिक और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी को समझता है। वे सशक्त नागरिक होते हैं जो सामाजिक सुधार और विकास के लिए योगदान करते हैं। उन्हें देश के साथी के रूप में अपना दायित्व समझने का जज्बा होता है।

युवा वर्ग के पास बड़े लक्ष्य होते हैं और वे उन्हें हासिल करने के लिए कठिनाइयों का सामना करते हैं। ये लक्ष्य देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उन्हें अपने कौशल, प्रतिबद्धता, और संघर्ष के माध्यम से उन्हें हासिल करने का साहस मिलता है।

इन संकेत बिंदुओं के माध्यम से हम देख सकते हैं कि आज का युवा वर्ग देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उनका योगदान देश के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण होता है। वे देश के प्रति ज़िम्मेदार होते हैं और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अपने कौशल और प्रतिबद्धता का सही तरीके से उपयोग करते हैं।

(ii) **कंधे से कंधा मिलाकर चलती नारी**

आज के युग में, नारी को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार प्राप्त हो गया है। समाज में उसकी स्थिति केवल गृहिणी की नहीं रही, बल्कि वह हर क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बना रही है। कामकाजी जीवन में, शिक्षा, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में नारी की भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह किसी भी मायने में कमतर नहीं है।

नारी की शक्ति और सामर्थ्य ने उसे जगत जननी के रूप में स्थापित किया है। हर नई चुनौती को स्वीकार करके और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता साबित करके उसने अपनी महत्वता को उजागर किया है। यह परिवर्तन नारी के आत्मबल और समाज में उसके योगदान की पुष्टि करता है। आज की नारी कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है, और उसकी यह यात्रा समाज में समानता और समरसता का प्रतीक बन चुकी है।

(iii) **वन एवं वन्य संपदा**

सामान्यतः एक ऐसा विस्तृत भू-भाग जो पेड़-पौधों से आच्छादित हो, 'वन' कहलाता है। वन मनुष्य के लिए प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है। वन सम्पदा हमारी भारतीय सभ्यता और प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वन सम्पदा वातावरण में उपलब्ध धुआँ, धूलकण, कार्बन, सीसा, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड एवं मानव जीवन को प्रदूषित करने वाली गैसों को घटाकर जीवन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त,वनों से हमें फ़र्नीचर के लिए लकड़ी, फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। वन मृदा अपरदन रोकने व वर्षा करवाने में भी सहायक होते हैं।

वनों का एक लाभ और भी है। इनके कारण ही वन्य-जीवन फलता-फूलता है। वन्य का अर्थ है-वन में उत्पन्न होने वाला। इस प्रकार वन्य-जीवन का तात्पर्य उन जीवों से है जो वन में पैदा होते हैं और वन ही उनका आवास-स्थल बनता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 75000 प्रकार की जीव-प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश वनों में पाई जाती हैं। इनमें सिंह, चीता, लोमड़ी, गीदड़, लकड़बग्घा, हिरण, जिराफ, नीलगाय, साँप, मगरमच्छ आदि प्रमुख हैं। यदि वन न हों तो इन सभी जीवों का अस्तित्व ही मिट जाएगा, जबकि मनुष्य के साथ इन जीवों का सह-अस्तित्व आवश्यक है क्योंकि इससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है। हालाँकि पिछले कुछ समय से वन एवं वन्य संपदा पर खतरा मँडरा रहा है। वनों से ढके हुए क्षेत्रों में कमी हो रही है, जिससे वन्य-जीवन भी विलुप्त होता जा रहा है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, देश के 33% भू-भाग पर वन होने चाहिए, परंतु इस नीति पर ठीक से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रशासन तंत्र को शीघ्र ही इस विषय का संज्ञान लेना चाहिए और वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

13. 24, पांचबत्ती चौराहा,
एम. आई. रोड
जयपुर
दिनांकः 23/XX20XX
सेवा में
श्रीमान पर्यावरण मंत्री जी,
पर्यावरण विभाग
जयपुर।

विषय- सड़क चौड़ी करने के बहाने आवश्यकता से अधिक हो रहे पेड़ों के कटाव की जानकारी देने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि आजकल जिले में सड़कों की चौड़ाई का काम चल रहा है। जिले से पन्द्रह किलोमीटर दूर बावड़ी पंचायत में भी इसी प्रकार का काम चल रहा है। सड़क के दोनों तरफ घने छायादार पेड़ हैं। इस पेड़ों को ठेकेदार सड़क चौड़ी करने के बहाने अवैध तरीके से काट रहे हैं। उन पेड़ों को काटने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि वहाँ पहले से ही इतना स्थान है कि सड़क बिना वृक्षों को काटे ही चौड़ी की जा सकती है। यदि इन पेड़ों को काटना नहीं रोका गया तो इसका प्रतिकूल प्रभाव हमारे पर्यावरण पर पड़ेगा।

अतः आपसे निवेदन है कि आप इस मामले पर उचित कार्रवाई करते हुए दोषियों को सजा दें तथा उन्होंने जितने पेड़ काटे हैं उनसे दोगुना लगवाने की कृपा करें।

धन्यवाद।
निवेदन कर्ता
क.ख.ग.

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दिनांक - 15 मार्च 2022
सेवा में,
थानाध्यक्ष महोदय,
सदर थाना, पुणे।
विषय - क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की रोकथाम के संबंध में।
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान सदर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहे अपराधों की ओर खींचना चाहती हूँ। विगत एक माह से इस क्षेत्र में अपराध बढ़ रहे हैं। आए दिन घरों के ताले तोड़कर चोर घरों में घुसकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लुटेरों का दुस्साहस भी इतना बढ़ गया है कि राह में चलती महिलाओं के गले से चैन खींचने की घटनाएँ भी आम बात हो गई है। बढ़ते अपराधों से महिलाएँ डर के कारण घर से अकेले आने-जाने का साहस भी नहीं जुटा पाती हैं। आपसे अनुरोध है कि हमारे क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ा दें व अपराधियों को पकड़ने की समुचित व्यवस्था का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दें ताकि इस क्षेत्र के निवासी डर व असुरक्षा के घेरे से बाहर निकलकर सुख-शांति से रह सकें।
धन्यवाद!
भवदीय
रजनी
ब-25 सदर बाजार,
पुणे।

14.

डीएवी पब्लिक स्कूल, गांधीनगर, रायपुर
सूचना
8 जून, 2024
जल प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन
6वीं से 12वीं तक के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि जल प्रबंधन की ओर से हमारे विद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जल प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारियां साझा की जाएगी। यह कार्यशाला दिनांक- 12 जून, 2024, समय- दोपहर 3 बजे, स्थान- विद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए आप अपने कक्षा शिक्षक से सम्पर्क करें।
अतः आप सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि इस कार्यशाला में उपस्थित होकर जल प्रबंधन की जानकारी लें और इस आयोजन को सफल बनाएं।
धन्यवाद
अध्यक्ष
छात्र-कल्याण संगठन

अथवा

केंद्रीय विद्यालय
रमेश नगर, उ.प्र.
सूचना
वृक्षारोपण कार्यक्रम संबंधी सूचना
दिनांक 26/2/....
भूमि संरक्षण एवं प्रकृति संरक्षण हेतु विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन दिनांक 14/3/..... को किया जा रहा है। इसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, अध्यापक-गण व अन्य कर्मचारी, सभी की सहभागिता अनिवार्य है। यह कार्यक्रम प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। इसकी विशिष्ट अतिथि श्रीमती आशा शर्मा (पुलिस अधीक्षक) हैं।
संयोजक
रोहन भार्गव
(सचिव)

सिर्फ 125 रूपये

"बालों का रखे ख़याल
दे मज़बूती बेमिसाल
कीमत है कम
लेकिन इसमें है दम।"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15.

बालों को रखे चमकदार और टूटने से बचाए

केश शैंपू

दो के साथ

एक कंडीशनर फ्री

अथवा

‘लेखनी’ पेन है वहाँ, शिक्षा है जहाँ

बच्चों के लिए ज्ञान का, युवाओं के लिए व्यवसाय का, बुजुर्गों के लिए लेखन का बेजोड़ साधन
आ गई! आ गई! आ गई! सबकी प्यारी ‘लेखनी’ पेन हमारी
सबसे सस्ती और सबसे अधिक उपयोगी ‘लेखनी’ पेन तुम्हारी
सबकी प्यारी ‘लेखनी’ पेन हमारी!
चले सबसे ज्यादा और रखे आपको सबसे आगे
10रु. से 25 रु. के दो मूल्य वर्ग में उपलब्ध।
प्रथम 75 खरीदारी पर विशेष उपहार का प्रबंध
शहर के सभी ज़नरल स्टोर पर उपलब्ध मूल्य
संपर्क सूत्र- 98765XXXX
लेखनी पेन! लेखनी पेन! लेखनी पेन! लेखनी पेन!

16. From: Rupalipatel@gmail.com

To: Kotakbankofindia@gmail.com

विषय- बैंक की पास बुक खोने की सूचना देने हेतु।

मेरा नाम रूपाली पटेल है। मैं नेहरू नगर की निवासी हूँ और आपके बैंक की ग्राहक भी हूँ। मैं एक हफ्ते से पासबुक खोज रही हूँ, लेकिन मिल नहीं रही है। शायद गिर गई हो। आपसे अनुरोध है की मेरी नई पासबुक बनवा दें। मैं सदा आपकी आभारी रहूँगी। बैंक से संबंधित कुछ जानकारी निम्नलिखित है।

खाता संख्या - 25684578XXXX

सधन्यवाद

रूपाली पटेल

अथवा

बात उन दिनों की है, जब मेरी कक्षा नवी की वार्षिक परीक्षा चल रही थी। आखिरी परीक्षा गणित विषय की थी। परीक्षा की तैयारी पूरी हो चुकी थी। अगले दिन सुबह मैं समय से उठकर विद्यालय जाने की तैयारी कर ही रही थी कि अचानक से मुझे चक्कर आ गया और मैं गिर गई। घरवालों ने मुझे उठाया और लिटा दिया। मेरे सर में दर्द हो रहा था। माँ ने मुझे बादाम का दूध पिलाया। घड़ी की सुइयाँ आगे बढ़ती जा रही थीं और साथ-साथ मुझे निराशा घेरती जा रही थी। लगभग आधे घंटे बाद मुझे तबियत में सुधार महसूस हुआ। अब मैं तेज़ कदमों से चलती हुई विद्यालय जा रही थी। मन में यही चल रहा था कि किसी तरह मैं समय पर विद्यालय पहुँच जाऊं। इसी उलझन में मैं चलती जा रही थी कि तभी देखा कि एक तेज़ गति से आती हुई कार सड़क पार करते हुए एक बच्चे को टक्कर देती निकल गई। सड़क पर भीड़ इकट्ठी हो गई। मैंने कुछ लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुँचाया और उसका इलाज शुरू करवाया। इसके बाद उसके बैग में उसका पता देखकर उसके घर पर फोन करवाया। इस सब में लगभग एक घंटा बीत गया। जब घड़ी देखी तो मेरे होश ही उड़ गए। परीक्षा शुरू होने में केवल दस मिनट बचे थे और अस्पताल से विद्यालय तक का रास्ता करीब आधे घंटे का था। इतने में ही उस घायल बच्चे के परिवारजन बदहवास से आते दिखे। मुझे लगा कि मेरी आँखों को धोखा हुआ है। उस बच्चे के पिता और कोई नहीं बल्कि मेरे प्रधानाचार्य जी थे। उन्होंने मुझे वहाँ देखा, तो मैंने उन्हें

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सारी बात बताई। उन्होंने बार-बार मुझे धन्यवाद दिया और तुरंत विद्यालय में मेरी परीक्षा लेने की सूचना दी। उन्होंने अपनी गाड़ी से मुझे विद्यालय भेजा। वहाँ मेरे अध्यापक ने मुझे अलग कमरे में बिठाकर मेरी परीक्षा ली। मेरी परीक्षा अच्छे से संपन्न हुई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in